

[illegible]

सुलनाऽथ चैद्याव ह
 सथाह रथम ह द्या नाऽ
 थव द्याऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह

नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह

नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह

नद्याथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह

नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह
 नाऽथ चैद्याव ह

ल॥ म॥ ल॥ म॥ ल॥ ग॥ ति॥ या॥ अ॥
लि॥ ३॥ ग॥ ग॥ व॥ दू॥ क॥ र॥ व॥ त॥
ह॥ म॥ ज॥ ग॥ द॥ स्म॥ त॥ ॥
ध॥ नि॥ म॥ द॥ व॥ क॥ ल॥ स॥ उ॥
ग॥ स॥ हि॥ व॥ न॥ क॥ टी॥ ॥ अ॥ वा॥
ह॥ स॥ स॥ स॥ म॥ द॥ क॥ य॥ द॥
म॥ न॥ ग॥ स॥ ल॥ स॥ वि॥ द्या॥
व॥ क॥ टी॥ ॥ य॥ हि॥ म॥ द्या॥ न॥
ग॥ वि॥ द्या॥ व॥ क॥ टी॥ ॥ ध॥ य॥
न॥ य॥ ध॥ अ॥ स॥ ॥ हि॥ ॥ क॥ न॥
ल॥ व॥ क॥ द॥ क॥ क॥ द्या॥ य॥

म॥ म॥ उ॥ ॥ ध॥ सि॥
५॥ य॥

द॥ द॥ न॥ यि॥ ल॥ म॥ द्या॥ ध॥ क॥
य॥ क॥ न॥ क॥ न॥ कि॥ म॥ हि॥ दू॥
ह॥ म॥ वा॥ व॥ न॥ ग॥ ध॥ न॥ टी॥ स॥
ल॥ ॥ सि॥ य॥ न॥ ग॥ स॥ हि॥ दू॥
द॥ य॥ क॥ ३॥ न्या॥ कि॥ लि॥ न॥
स॥ ध॥ कि॥ नि॥ न॥ दू॥ स॥ न॥ ॥
ध॥ य॥ न॥ य॥ ध॥ य॥ न॥ क॥ ल्या॥
क॥ म॥ द्या॥ व॥ ध॥ सि॥ धू॥ न॥
ग॥ ल॥ स॥ न॥ दू॥ ४॥ स॥ स्का॥ न॥
या॥ अ॥ म॥ स॥ सि॥ क॥ क॥ वा॥ य॥
व॥ क॥ व॥ क॥ न॥ द्या॥ य॥ य॥
ल॥ य॥ द्या॥ न॥ न॥ द्या॥ न॥ ध॥
ग॥ द॥ वा॥ स॥

आवाक्यं कलसकोभा
व कलसं धावने ध
र्मासि स कस्यं न लेद
धुं दानि न गेस्यं न स
याद गेध ॥ कलना द ध
सिं धा ॥ काद्र न सा ॥ व
विनं व धुका य अ ह ह
का य धा न्न न व स आसा
वर्कं गेद ॥ यिं सा क द न
सा य द क लि का य धा य
धुका य धा न्न न व स
कं गेद ॥ वीं सा
आ गे धा मः
सा सा

यसा चर्कं धा य न य धी
॥ कल म न्न न वि र्थि द
लि ॥ ॥ धा गे धा य न य
न ॥ व द्वा न र अ ॥ ॥
धुं दानि न गेस्यं न स
विदिध ॥ ॥ ॥ धा न र
न ॥ विदिध धा य न य
न ॥ विदिध धा य न य
सम स विदिध धा य न य
विन धा य न य विदिध धा य
अ न द द द विदिध धा य

न धा न र

न धा न र

न धा न र

[illegible][illegible]

म०॥ ॐ ह्रीं यं ॐ ह्रीं नी कृया
ह्रीं स० नवाय न ० ॥ ॐ ह्रीं
ह्रीं स० लाल क्री स० कृ न
ॐ नवाय न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
यं वा स० अ० वी० वी० नवा
य न म० ॥ ॐ ह्रीं वी० दि० ॐ सा
ना म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं म० म
हान्ते धन ॥ न ० न ० न ०
य न्ते लाल क्री स० कृ न
हि नाय न म० ॥ म० य ॥ ॥
वा कृ लाल क्री स० कृ न
ॐ ह्रीं य न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
न० य न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं न म०
य न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं न म०
य न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं न म०
य न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं न म०

ॐ नाय न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
अन म० य न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
ॐ ह्रीं य न म० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
ॐ ह्रीं म० अ० य न म० ॥ ॐ ह्रीं
ॐ ह्रीं स० य न म० ॥ ॐ ह्रीं
नवाय अ० य न म० क्री स०
हि नाय अ० य न म० ॥ ॐ ह्रीं
ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं वी० न म०
य न म० अ० य न म० ॥ ॐ ह्रीं
क्री स० हि नाय अ० य न म० ॥
ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं क
न० य न म० अ० य न म०
य न म० अ० य न म० ॥ ॐ ह्रीं
य न म० अ० य न म० ॥ ॐ ह्रीं
ॐ ह्रीं य न म० ॥ ॐ ह्रीं
ॐ ह्रीं य न म० ॥ ॐ ह्रीं
ॐ ह्रीं य न म० ॥ ॐ ह्रीं

लोथनमः॥रववदि॥
उरुनमिःमहका
मउथनमः॥मउ
उरुकासलामनमः
उरुकासमवलाम
ममः॥ववलि॥

उरुकासलामिः
मममः॥कासल
उरुनमलामिः
मममः॥मम
उरुकासलामिः
मममः॥मम
मममः॥मम
मममः॥मम

मममः॥मम

नमवलिदि॥

उरुकासलामिः
मममः॥मम
मममः॥मम
मममः॥मम
मममः॥मम

मममः॥मम
मममः॥मम
मममः॥मम
मममः॥मम
मममः॥मम

मममः॥मम

मममः॥मम

[illegible][illegible]

मं॥ द्रुऊनयाथमलरव
श्रीरगा॥ वगनलासम
हिक्कायायावद्वाहल
करगं॥ लाटुअनकुले
कानमयाआया॥ आ
वाह॥ एदि लास॥ सीय
दायदुजाभाकु॥ ० ॥ ३॥
यनआदिनमहिअजा
उदुवेदिमगालव
नमहयनम॥ गालव
ग॥ ० ॥ उदुनद्विनम
ॐ नमो नमो नमो नमो
ॐ नमो नमो नमो नमो
ॐ नमो नमो नमो नमो
ॐ नमो नमो नमो नमो

ॐ नमो नमो नमो नमो
ॐ नमो नमो नमो नमो
ॐ नमो नमो नमो नमो
ॐ नमो नमो नमो नमो

ऊदववववलिथ॥ व
उदुगोरीविदायहिंका
मनकरलिथवाकोन
नमो॥ काकावदुद॥ ० ॥
उदुमकावुनगदुह
यसिरुमाडाअनम
॥ था॥ ददद॥ ० ॥
उदुउदुमकावुनगदुह
॥ ० ॥ उदुन

नावदायनम॥ उदु
थक॥ ० ॥ उदुनका
अनम॥ उदुनका
नमो॥ दाकागमयन
विथविथ॥ ० ॥ उदु
लाकोनविनअनय
मयाकोनमकाउद

गानदी॥

उं कं कं हरिदवनयट
अनात्मनमगं ववग
कं कावम॥ ॥ नाटं धन
अलेमं अं ए र्धर्मा गो
सं द्रुद्रम॥ अदिक्का॥ लो
सं वा द्रुस्यानन॥ वध
भीतमह्वचक॥ ॥ ना
ह रिधं लुर्मरुति स न
दिगं न दयक॥ अमुन
विमुक्तनयाकावकुल
मयन क्रुदिन रिधं
रसलसं रुति यं ति य
दी स मर्म ल व का य
नालयावधं॥ ॥ ना
य॥ दिक्रिगम॥ रि
सा॥ अदीम॥ ॥
सादि॥ ॥ ॥
विना॥ ॥ ॥

अकां नु अमन रु न दि
विनाम सावल द्रुद्रा
समसं धुनकावनास
यासकं अं वि अ
कमाले रु अं॥ न क स क
लनाटं धन द्रुका र्थि अ
यनाम॥ द्रुद्रनयं॥ ॥
अनातु र्ध कावनाटं धन
यानक्रुदिन रु धं
अं नाल रिधं ववलि
रुद्र र्थि ना॥ द्रुद्रा ल
सं रुति रु॥ धं धि द्रुद्रा
॥ द्रुद्र दायकावम
याकाया अ॥ ॥
द्वानादिगम॥ ॥
॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥

रत्नसमल्लो १०३ ॥
 कथायास्यसिद्धिं कृवाय
 नर ॥ धृक्वास्यवास
 दहनयाय ॥ न्यास
 आदिन ॥ तांजव ॥ वरु
 करवय ॥ नदिउव ॥ क
 रुकालरवव ॥ दागना
 शुभमफलमल्लु नृयाल
 क्वा ॥ दीन ॥ कनु ॥ क्रो
 म ॥ धनमनु ॥ द्रुक्राध
 दाव ॥ धृय ॥ दाया ॥ नद
 द्रुक्रायास्क्रात्र ॥ धनध
 दाव ॥ धृमकु ॥ धवय
 सक ॥ नाशुशुनकल
 मल्लनसकलसकव
 मल्लनगाशुध ॥ धनव

विश्व ॥ २५

व ॥ काव ॥ दिश ॥ क्रो
 दिश ॥ दीनदिश ॥ काल
 का ॥ द्याद नभा ॥ स्वसि क
 मसिद्ध नृद ॥ नयाय ॥
 म ॥ द ॥ गतया ॥ सधुन
 नवाय ॥ अद्य ॥ द्याव ॥ द
 अ ॥ सध ॥ दि ॥ आशी
 द ॥ क्रानदि ॥ द्याव ॥ नभा
 द्याल ॥ सध ॥ नस्यसि क
 वा ॥ द्याव ॥ रव ॥ उक्र ॥ द
 जाया ॥ द्या ॥ धवय ॥ दक्र
 म ॥ दीन ॥ कनु ॥ क्रो ॥ व
 ना ॥ ध ॥ नक्र ॥ लभा ॥ नभा
 उम ॥ द्या ॥ नृया ॥ नय
 ला ॥ सध ॥ रया ॥ न
 द ॥ न ॥ ॥ धन ॥ न
 दि ॥ न ॥ ॥ धन ॥ न
 द ॥ न ॥ ॥ धन ॥ न

२५

काथ॥ ईदं द्वादसधा ॥
काथ एव एव सक॥ व
यनविश्याद्यासनका
नायनाधनद्यावनदि
हि विविधा ॥

न गीसि ह काय विधा न॥
सिद्धि काय द ध्या कृ आन
रुचि आदि न यारव न भो
आदि न स क ल स एभि
या च भात ह य व सुहि
एभ्य क रु क या थ॥
सिद्धि काय कृ क या मि
॥ अ वा च वै रु ज वै मः
॥ आ रा तु र्द
व च मा नक
हि न क गु ना थ॥ स
माथ नि ये न भ
का न म सा व द

[illegible]

[illegible]

विष्णुं नृक व वलि च य
व नृग ॥ लसीकृति ॥ यम
यति चक्षी ॥ गालयति स
धनं वास न धर्म ॥ यम
व न नृक यत स कृत्तम
कृत्वा यो नृम कृत्वा यम
किं यात या नृह का नृक
तु वा यम किं सा यात यम
सा किं यो नृवा याव ॥ यका
य यी नृ ॥ स न दृका ॥ नृ
नृग ॥ धर्म गालयति स
कृत्वा ना यी नृ धर्म द
न स लोचनं यम वा यम
ना नृ य व स दृव नृ ना
नृ या विविधं स नृ सति
नृ नृ य ॥ धर्म यम
नृ नृ द नृ विवि
नृ नृ य ॥ धर्म यम

नाठ धनं दत्तु निदायम् ।
दधस्यस्य ॥ साक्षिपति
दत्तु विजोयम् । गालका
दिनं वाहनं यव यवम्
कृणु ॥ धस्यस्य ॥ दृजा
यायम् । रवति आर्षिपम्
रयुधवक्त्रम् ।

ॐ ह्रस्ववक्त्रं नृधनम् ।
यस्य नमं दायनम् ।
नायनं दम् । ॥ ३ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् । दायनम् ॥ ४ ॥
दम् ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥

ॐ ह्रस्ववक्त्रं नृधनम् ।
यस्य नमं दायनम् ॥
नायनं दम् । ॥ ३ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् । दायनम् ॥ ४ ॥
दम् ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥
यस्य नृधनम् । दाय
नम् ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥



[illegible][illegible]

[illegible]

यदको वाय ॥ वाहन ॥ लसं द्रुति ॥ हृथुथं द्रुता ॥
॥ द्रुत ॥ गद्य ॥ काय ॥ काय ॥ यासाय ॥ ॥ तालनादिद
किला नयक ॥ विसर्जनयोदाय द्रुथं द्रुथं ॥ का
नूं विथ ॥ काय विथ ॥ वाव विथ ॥ मालको व्याव
मा धृष्टिकससद ॥ नृवद्वनादि दायलाहनका ॥ स
त्राय ॥ यययारुणहाथ ॥ स ॥ ति नृणादीद ॥ यनिस्र
तयनाथ ॥ ॥ व्यावणभायालाथस ॥ वतनससिकवाथ

॥ यत्तु मन्त्रं पूजायां धव धव सुलिमन्त्रं पूजनं ॥ ० ॥ वी नः
सुलि पूजा ॥ इति नव नव य महा रुच वा य धर्म स कि स हि ता
य सुव न न २ सा हा ॥ ० ॥ नि वी न सुलि पूजा ख न भा पूजन ॥ ० ॥
उं कं क नू ल नू य म हा रुच वा य धे ना ग्य स कि सु हि ता च सुव न
न न २ सा हा ॥ ० ॥ नि का नू ल य न पूजन ॥ ० ॥ उं कं का ध नू य
म हा रुच वा य स कि स हि ता य सुव न न २ सा हा ॥ ० ॥
या य पु न ॥ ० ॥ ना ट ध न म ल म रुच ल भा द म उ ये न

उं य कं ॥ ला स वा घ स्ना न न म उ स कं क ॥ ध न पू दा व
॥ ० ॥ इति नव नव य महा रुच वा य धर्म स कि स हि ता
य सुव न न २ सा हा ॥ ० ॥ नि वी न सुलि पूजा ख न भा पूजन ॥ ० ॥
उं कं क नू ल नू य म हा रुच वा य धे ना ग्य स कि सु हि ता च सुव न
न न २ सा हा ॥ ० ॥ नि का नू ल य न पूजन ॥ ० ॥ उं कं का ध नू य
म हा रुच वा य स कि स हि ता य सुव न न २ सा हा ॥ ० ॥
या य पु न ॥ ० ॥ ना ट ध न म ल म रुच ल भा द म उ ये न

X कैंडा सावन १५

दाव॥ यथ॥ नवद॥ (था॥ नाट॥ ध॥ न॥ वा॥ स॥ न॥ सिं॥ ध॥ न॥ हा॥ थ॥
यू॥ वा॥ क॥ ध॥ वि॥ १॥ ध॥ वि॥ क॥ स॥ मु॥ नि॥ ग॥ उ॥ १॥ लू॥ का॥ ट॥ १॥ डा॥ हा॥ का॥ ट॥ १॥
क॥ लू॥ नी॥ दा॥ ना॥ च॥ लू॥ ग॥ उ॥ १॥ ग॥ रू॥ ध्या॥ ट॥ ॥ यू॥ वा॥ क॥ द॥ व॥ न॥ न॥ या॥ व॥
द॥ व॥ स॥ द॥ व॥ न॥ न॥ या॥ न॥ ॥ ध॥ वि॥ क॥ स॥ मु॥ नि॥ ग॥ उ॥ १॥ लू॥ का॥ ट॥ १॥ डा॥ हा॥ का॥ ट॥ १॥
स॥ थ॥ ॥ दा॥ व॥ ॥ यू॥ रु॥ न॥ या॥ द॥ रु॥ ॥ ० ॥ ॥ मु॥ नू॥ न॥ स॥ नू॥ न॥ या॥ न्या॥
॥ ॥ रु॥ ल॥ वा॥ ज॥ न॥ ॥ नू॥ ध॥ या॥ रु॥ ॥ श्रू॥ ल॥ य॥ उ॥ ॥ ॥ नू॥ वा॥ द॥ न॥ ॥ ग॥ न॥
॥ ॥ व॥ दू॥ क॥ र॥ द॥ स॥ ॥ क॥ रु॥ दा॥ न॥ ॥ न॥ धि॥ उ॥ व॥ ॥ म॥ ह॥ का॥ ल॥

[illegible]

॥ वृत्तिर्गुणवचसयुता ॥ ० ॥ १ ॥ उँ दूँ हा स्र ह्य म दा रु
च वा य न ध र्य ण कि सहि ता य श्रु व त च र स्या दा न ॥ ० ॥ उँ हं ३
य म थ ॥ पि या त थ मां च क र्श डं न मे ॥ १ ॥ ध्या न रा गि नी यु ना नः
स्व कृ ला इ वा सा वा य स्य यु का व क्क रु द डा न ॥ वि चि तु वा सा
द व ल हि भं ल हा स्या वि क्षी न ॥ वि द ता व स ध्या न ॥ २ ॥
दा स्या ॥ ० ॥ उँ को थ वृ य म दा रु च वा य ज्ञा न ण कि सहि ता
वे त च र स्या दा ॥ ॥ उँ को ३ म दा र्वा वा य मां च क र्श को ३

[illegible]

रुसां च यमहा रु नवाय नृवं नारु धाकि सहि नाय नृव नय
रसादा ॥ ॐ हूं ३ सर्वविद्य विष्णु धानाय वल्लु नृयाय सर्वका
मयदाय दू नृधान मू लेय माहा कालाथ नमः ॥ ॥ हिना ३३
राविद्युः ॥ विलङ्गः यथश शद दानुय दृदय म् ॥ वीरुत्सनामा
वृषला नृयाय नृभामहा काल हि नः ॥ य सिद्धः ॥ ॥ वीरुत्सः
॥ ३ ॥ ० ॥ ॐ हूं हूं रु यान क नृय महा रु नवाय नृधर्म ॥ १
हिनाय नृव नय रसादा ॥ ॐ नमो कृतय नृयथ नय

द नाथ दृग दृदयाथ सकल नृयि न ० ० ० ॥ यथश शद द
वृवा निज रुः ॥ दानुय रुय ल नृय धा नो काला विदेवः
कथितः कवी हूं रु यान को सी रुचल नृज न्मा ॥ १ ॥ रुयान
क ॥ ० ॥ ॐ हूं हूं नृद नृय महा रु नवाय नृज्ञान धाकि सहि
दिनाय नृव नय रसादा ॥ ॐ नमो कृतय नृयथ नय
ये धृजाय नमो शान्तिय नै गाय सिद्धि नृदाया ययाः

न्याससन्निधौ नारायण ॥ उँ द्रौं कौं कनिष्ठिकाये नमः ॥
उँ द्रौं कौं ग्रनामिकाये स्वाहा ॥ उँ द्रौं कुं मध्यमाये वीर्यदा ॥
उँ द्रौं कौं गरुडाय कूं रुद्र ॥ उँ द्रौं कौं मृगुलाय ववट ॥
उँ द्रः कः मृगाय रुद्र ॥ उँ द्रौं दद्यादिव रुद्र ॥ ॥ उँ क
नृणां मन रुद्र ॥ उँ द्रौं कौं श्री नृत्यधनं महारु
नवाय श्री नवैसात्मन कौं कनूलचूयम श्री हारुः

नवाय मृत्स्मिन् न्याससन्निधौ नारायणाय द्रुका ॥
मृत्वा ॥ ध्यानं ॥ कात्मा कनूलनससुनुरुनाया
माहर्षमादका नित्रीगानिजगवना ननगगानिर्वरि
दका नारुवत् ॥ युरुहानिर्न विनाकि निरुवत् ॥
द्याद्विनायः वून दीना लाकनलादनधवनता निर्व
दभाहासक ॥ ० ॥ यश्च शिष्यं विधत्तवर्षसंवावयः

कथातीगत्रविर्विबुद्धः। षड्वयार्थं यमदेवजघ्न जयः
यसिद्धः कपूणः कवीन्द्रः॥ ० ॥ उँ कुँ वूँ कपूणमूर्तेय
नृत्यध्वजमकारे च वस्त्रवनचरन्
यंकुचुरयसभारुवकपूणत्वम् । स्मिन्याकसन्नि
वाँ यै ३ हुँ ३ स्वाहा॥ उँ ३ कुँ ३ हुँ ३ लूणानवकाद
वाय हुँ ३ कुँ ३ उँ ३ नमः॥ ०॥ मूलना उँ यै ३

[illegible]

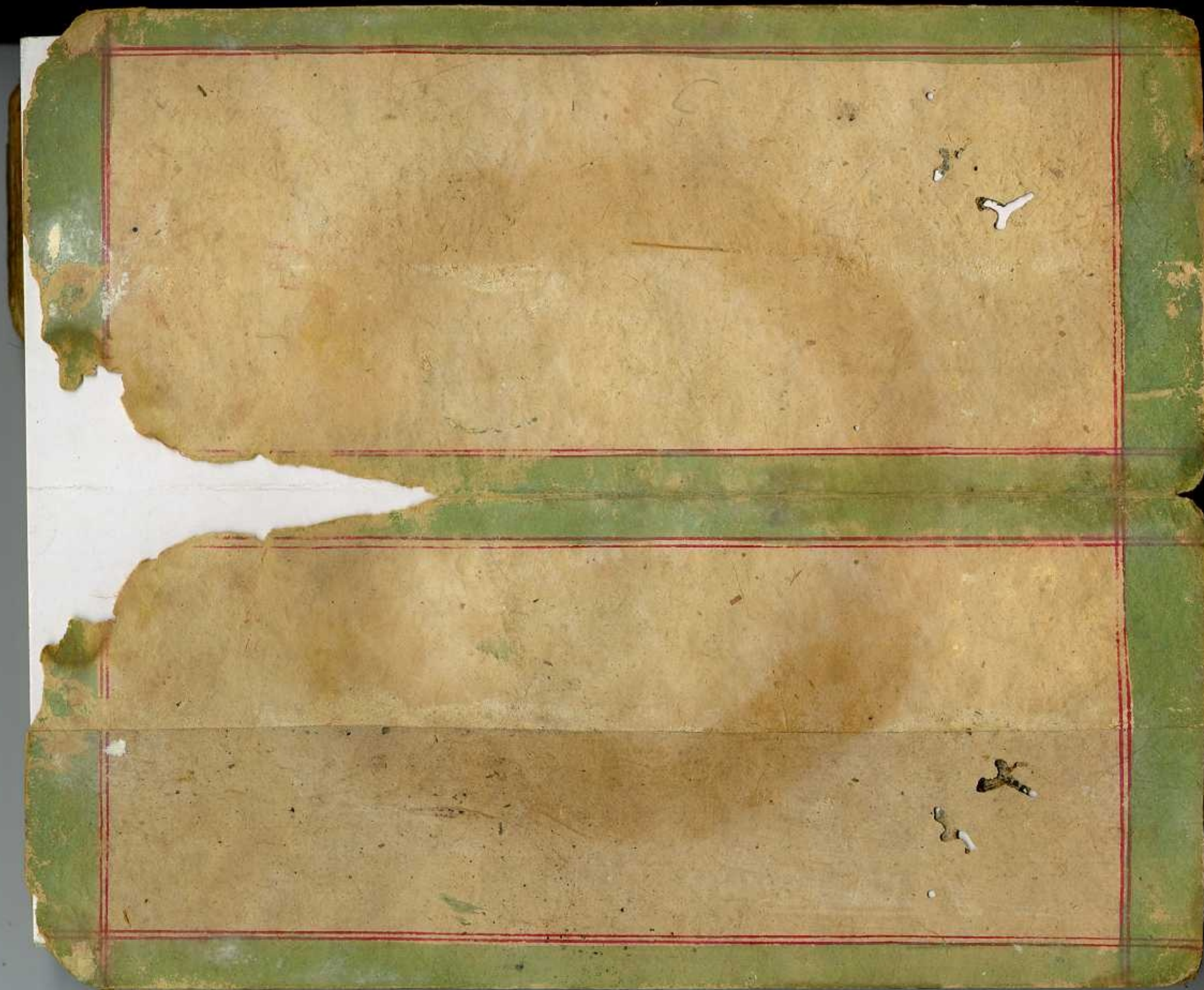
धनं वलि॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 हृदयसकलपुण्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गवतः कायस्थनाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ज्ञाययनि सिद्धिदहि स्वाहा ॥ रुयानकसुलमसु ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दयस लिखस न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

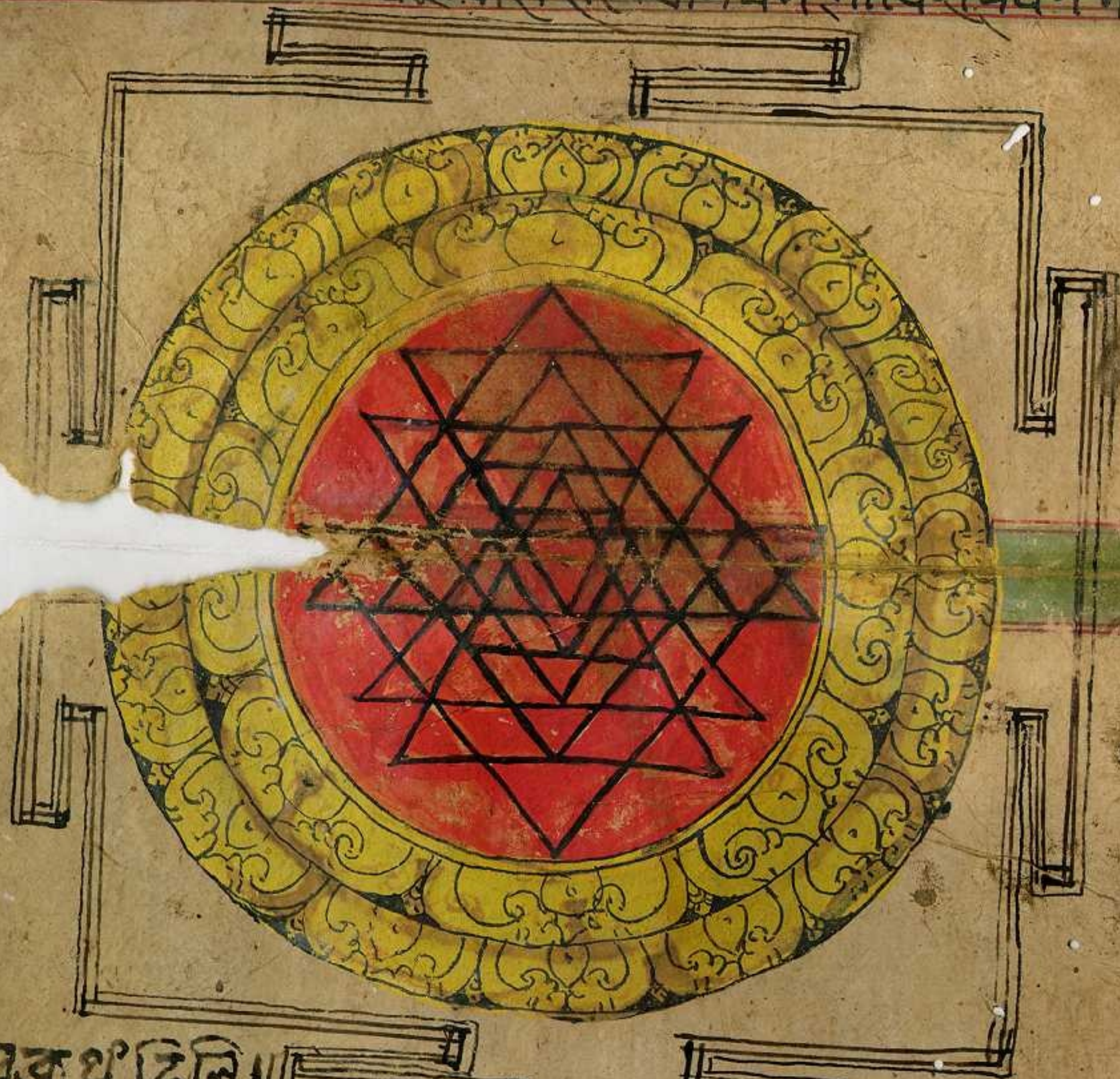
चक्रजानकाव आचार्यस्य मालिनी गुरुस्य मनुयुक्तः
यावत् लंसककथलकं धूयवासकं धावमानन
हयकं शुभावादनं केवलयागयावत्तुवायकमटव
धुनदवस्तुलिगं हयाव आरावया अंगसं तुलिका
नथायस वंदाव मंथल धेलाव कदातयः
न न इहवाधायनं वलिच्छयात नय अर्थया

उक्तया वरिण्या अविपूजा वलिसमिर्तविय ॥ धनलि
गमक कुरुवसवृ हृष्टं अंशालादि द्रवचालकं धनः
कैतवा ॥ गमयुभं केवलयादाहर्न अयुजागकायः
काव भद्रावकावसाय ॥ वजसं कुरुनं गमकं सवदः
सा स्युर्गं सायइर्वा ॥ धनलि ॥ विसर्जनमया स्यस
मयाथ ॥ दक्षिणायावक ॥ स्थानकाकाय ॥ विभागा

वोद॥ साखिथय॥ धनकबुलविधिविधिना ०॥
२ॐ कूं वूँ कूं यमहाहे नवाय हान कि सहिताय ज्वन
नर साहय्यै धकतुल मनु ॥



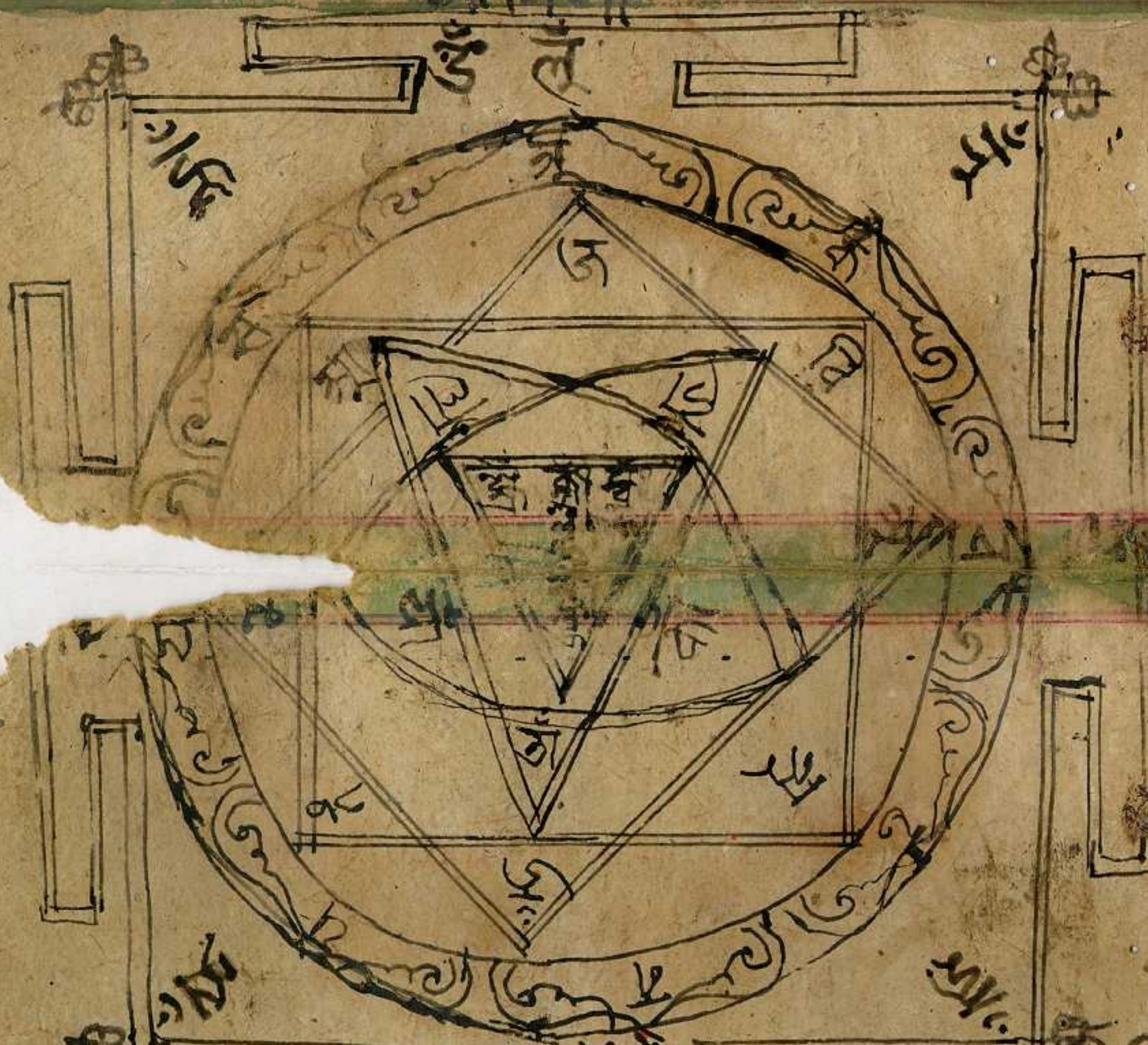
१ मूलकलस चक्रद्वयं श्रीविमलद्वयं ॥



१ श्रीवक्त्रं दिलि ॥

१ कलसं रुव ॥ १ कामवाज ॥ १ सकि वाज ॥ धनद्वयं ॥

आमोनी



वदुना

मोहनीकर ॥

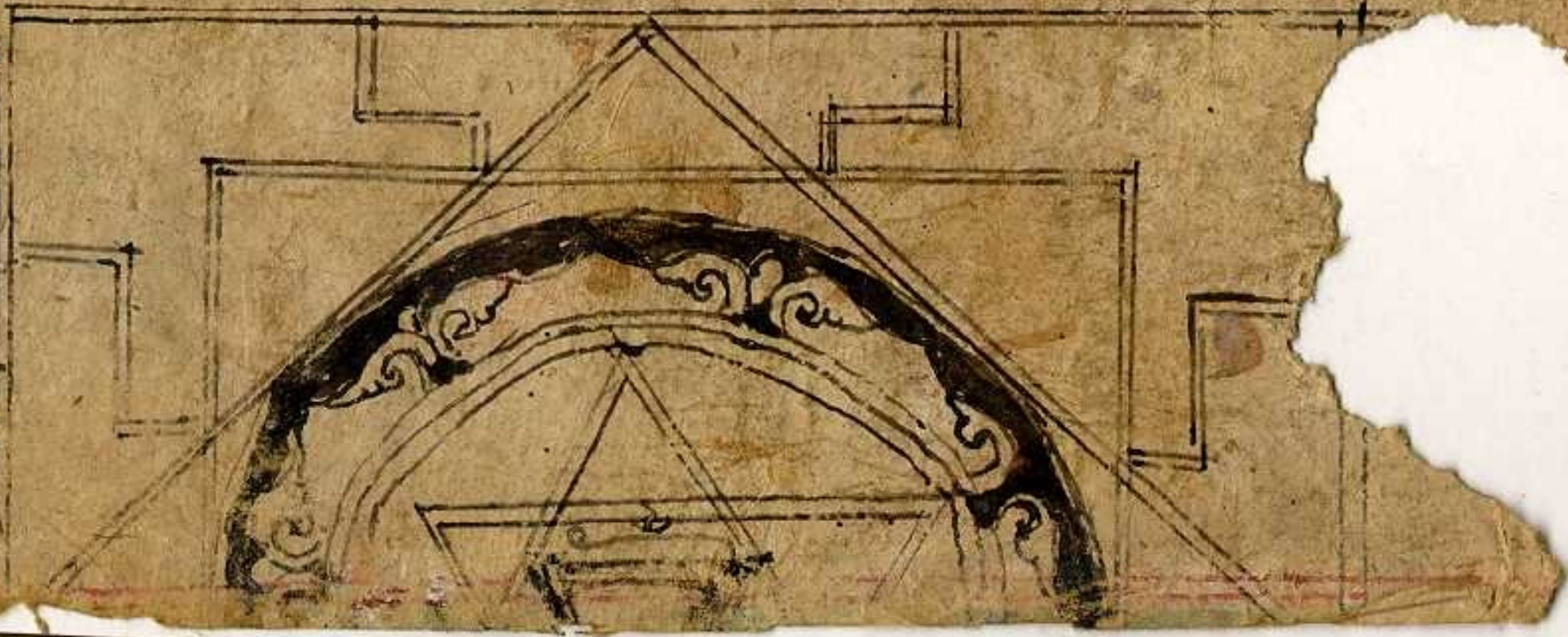
थीद लिध

२५२

आमोनी

१॥ श्री गुरुवायम स व सा धि कर्म देव वाय सुदुर्गा देवार्थ भ माल ॥

१॥ ध व क स
सुदुर्गा धं भ
निकान स ॥
न भ रुका य
नका य ॥ ७ ॥
जायु का ॥
ध न निवान
म ॥ स्व कान
न ल क



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ॥
 ब्रह्मविद्यायां श्रीकृष्णोपासनाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥
 यदा यदा ध्यातुं शक्नुमि तदा तदा
 भगवत्पदं प्रीतिपूर्वकं ॥
 यदा यदा विचार्यन्मम हृदि
 तदा तदा भगवत्पदं मे ॥
 यदा यदा स्मरामि तदा तदा
 भगवत्पदं मे प्रसीदत ॥
 यदा यदा कुरुष्वेति चेन्न भयं
 भगवत्पदं मे प्रसीदत ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

कोनं ॥ यावत्सद्यपि ॥
कान्ताया नयनिदयक ॥
रुद्रम् ॥ हृदयम् ॥
अश्वम् ॥ यवनम् ॥
पुष्क ॥ आकाशम् ॥
मृत् ॥ जलम् ॥
ककु निदाना ॥ जलम् ॥
युवाकम् ॥ अकटम् ॥
हि ॥ वासि ॥ धर्मात् ॥
सायुस्यो नदा ॥ रुद्रम् ॥
धनिक् ॥ कर्तुम् ॥
अरवम् ॥ रवदिक् ॥
धुवदा ॥ राधा ॥ यधम् ॥
अरुद्रम् ॥ आरवम् ॥
का ॥ आलम् ॥ ककुनि ॥
दवदा ॥ नु ॥ आला ॥
रुद्रम् ॥ सि ॥ अरवम् ॥

समसाधय ॥
धनमोक्षयस
यथायज्ञानयज्ञा
द्र ॥ धातुध ॥
वासिद्याट ॥
नवतिप्रल ॥
यथायज्ञानयज्ञा
द्र ॥ धातुध ॥

याद्यत्तसिद्धिद्यादय
याद्यनमालकासु ॥
यतिद्रु ॥ श्रीवृत्ति ॥
जमर्ध ॥ धातुध ॥
गालक्रादिवाहन ॥
गालि ॥ वदुलि ॥
रतिचुनाधाय ॥

सिद्धिकाययावस
दुल्लुङ्ग्यार्ग ॥
कलस ॥ जम ॥
धालयात ॥
कुमादि ॥
यत्तः समय नयनकर
रिद्यसिधर्ग ॥
कादूयातनादि ॥
कादूकायदभा ॥
ककमदनिकायदभा ॥
गोयुकायतभा ॥
सिधुविषदयान ॥
कादूद्रुत ॥
सुयादूकादि ॥
आलायादूकादि ॥
सलारवा ॥
यवसुकातान ॥

धनं न गीता ॥ १२
उत्तमकाय ॥ १०
धुनि, ॐ गीत
गाय, यदवाप्त
धुयवाप्त
प्रयुक्ति ॥ १०
यद्वान्मा,
तद्विक्रमा ॥ १०
व नद्यान ॥ १०
यान्द्यान ॥ १०
यान्द्यान ॥ १०
नवति ॥ १०
मालान् ॥ १०
ॐ न ॥ १०

शान्तिश्च नद्यान
काद्विमानमान् ॥
गायधनमान् ॥
सजानान् ॥
मद्विमानान् ॥
नद्यान ॥
दामनधनान् ॥
ॐ न ॥ १०
व नद्यान ॥ १०
यान्द्यान ॥ १०
यान्द्यान ॥ १०
नद्यान ॥ १०

आदादगेदिमथरकाय
सादिदुषमय
नगाकलसा
नी॥

आदगेम उलकसनद
रुदिम॥ रुधुधुदुदुन
नगाकाकुरुतागयन
वनदरसुदुजिनवस
नसुखाहा॥ ददिन
न॥ वीव रुकायनम
यशिसदान॥ काद
याले॥ अनम॥ उह
दान॥ रुकायिनुव
काअनम॥ उंतिदान
का॥ रुकायिनुव
आयनम॥ उंति

नगाकाकुरुतागयन
वनदरसुदुजिनवस
नसुखाहा॥ ददिन
न॥ वीव रुकायनम
यशिसदान॥ काद
याले॥ अनम॥ उह
दान॥ रुकायिनुव
काअनम॥ उंतिदान
का॥ रुकायिनुव
आयनम॥ उंति

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

वलिदद्यात्॥ क्षय दाय
जायस्व॥ आधनकाय
ह्यसिदन्ताये० त॥ दृष्टा
कृत्तमन कर्माहेनैक
मोक्त॥ ॥ आहुणीक
लकल सद्रुता॥ ति
नरुमाय कर्माहेनैक
ह्यवहु धीदि लिस्मा॥ स
मकुन वलिदद्यात्॥
समयवलि॥ अरुनादि
वलि॥ वनाद्या आदि
वलि॥ वदसा० अदि
तिवलि॥ मदावलि॥
धनवलि विध॥
धनदाय नैव दाय
नाना॥ ति० नदि
गाहासाया॥ नदि

मुनि॥ ॥ नमः
क्रियुनाय॥ वध विना
कामादि बुद्ध तावावना
नायनादि बुद्ध तावा
साधुवतावा बुद्ध ता
तावा० अनादि० बुद्ध ता
नासुअरुवय सिद्धास
तादि सुता० कोरना
कदि सुता० सेनाका
वशाका सुताका दिना
मिस्तुमिद्धादाव॥
यस्तुमिद्धादाव॥
कुलसादिता श्यामदि
रसुता कालिआरकादि
रुतु सदादि सुता०
सुताका० अनादि
सुताका० अनादि
सुताका० अनादि

यथैव विषयः ॥ १ ॥
 दशदासीनाद्याना
 नाना ॥ ५ ॥ सप्त
 माहोदयः ॥ ६ ॥
 निष्कानि ॥ ७ ॥
 रुद्रासाया ॥ ८ ॥
 कन्या ॥ ९ ॥
 कसासा ॥ १० ॥
 आश ॥
 वृद्धि ॥ ११ ॥
 नाद्य ॥ १२ ॥
 निरुद्ध ॥ १३ ॥
 नाना ॥ १४ ॥
 याथ ॥ १५ ॥
 एता ॥ १६ ॥
 द ॥ १७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
कर्मणि वा वाक् ॥ २ ॥
यथा वाक् ॥ ३ ॥
यथा वाक् ॥ ४ ॥
यथा वाक् ॥ ५ ॥
यथा वाक् ॥ ६ ॥
यथा वाक् ॥ ७ ॥
यथा वाक् ॥ ८ ॥
यथा वाक् ॥ ९ ॥
यथा वाक् ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

नाम सुख ॥ नागं कृष्णं यदीनं कृदिकुलरुचं
नाहिकुलं ॥ उदाम काशं साहा सिवसिंहा सिधं वः
नदं कृदिकुलं द्वावाह ॥ सुकृदिकुलं कः न
नाथं निर्विघ्नं नाटकाय नवप्रसलयना सिद्धिं सदा
नाथं देवेषु प्रार्थयिष्ये विष्णुं रुचं नृत्यं रावायिर्नदं
देवसां नैऋतं सगं यविजना नृत्यं लोकं सुखं ॥ ० ॥
मोडं सजय विजय नानृत्यं नार्थं नमस्क ॥ ० ॥

नाम सुखं नाथं ॥ अथः यं वना लयिंदनं विधानं ॥ नागं वन
मं सुखं यथायकं ॥ वंसायं नाथं ॥ यं सायं नाथं ॥ दवयं अकमन
नाथं वसयं कृष्णं ॥ अग्निकुलं ॥ कलसं ॥ कसकनं ॥ सिधं मूं
नाथं लं ॥ अग्नं ॥ अग्नं ॥ कसकनं ॥ कसकनं ॥ वदकं ॥ कः
नाथं ॥ अग्निकुलं ॥ दायकं ॥ ० ॥ यथं वलं ॥ थकं ॥ सदाथं ॥
॥ यथं रुजनं याथं ॥ मासनं कृष्णं ॥ यजमानस्य मूं नृणां दि
यथं मावनं कृष्णं निमित्तं यथं रुजनं समर्थं या मि ॥
नाथं ॥ अग्निकुलं ॥ धं दायकं ॥ नवदामि जयं यादहं ॥ ० ॥

मा ल न युजा ॥ ० ॥ अथ युज न ॥ विद व ॥ हठ कादि ॥ १ ॥
 दि ८ ॥ खट्टु ति ८ ॥ खट्टु था ॥ १ ॥ विद व मूल वि ८
 ॥ सो स व ॥ लो य ध यी र्थ यी या द कौ यु उ या मि ॥ वि ८ ॥
 ॥ यु जा ॥ वलि विथ भा ह ॥ ली या वलि स ॥ सानि वलि ॥
 ॥ गि ल वलि ॥ ० ॥ नाट्ट ॥ व स वलि स ॥ अ उ ना दि आ
 ॥ वा द विथ ॥ ० ॥ वि यं उ लि न ॥ च क ॥ भा ह ॥
 ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥
 ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥

मा ॥ अ द ति ॥ वि थ ॥ न लि ॥ न हं का ल ॥ अ
 ॥ ८ ॥ अ ॥ न म ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥
 ॥ स ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥
 ॥ स ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥
 ॥ ८ ॥ अ ॥ व ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥
 ॥ न ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥
 ॥ न ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥
 ॥ न ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥
 ॥ न ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥ वि ८ ॥

लादिवाङ्मय धव धव मनु न आद निवि
वक्रा नाल ह निधु मू उडा वा नाक ची का व धी वं स
क न ध निधु न सि हा क न कि न य न न द्री स द म दं म
मी न धु ची उ म्बू रू स ह न द्या सै का व म लु ल ग न
न न ॥ वा ह ण मूल म नु १० ॥ स्मृ त ॥ क ली का याः
व वा ह ण ॥ सि हा क न क क न ध व म हा का
नि स्का ॥ वृ थि दू जा ॥ य ध म ॥ भा हा नि स ॥
न ध व स ॥ र ॥ भ स ॥ यं व रा ना या न

उ स मी यं म त्वा ॥ मी सर व द १०८ ॥ गं ग ली व
र व न हा थ र ह ल ठि ॥ वि ॥ व क न न वा स ॥
उी ता थु मी सा दू वि थ ॥ ० ॥ यं व धू ल ण
वै थ द व स क ॥ ० ॥ द सा या न न ॥ त मा ग
जा ॥ ला सा ल द या व ॥ सै सि क स सै न ॥ १
नी व ली द न का ॥ स र म ण म थि आ णी वी द ॥ स द
नै ल ॥ ० ॥ अ द यि या उ ल र व न हा थ ॥ ला स सै सि
म या थ ॥ उं क रै वि क व ता ल ध न मू र्थे न म

[illegible][illegible]